FORM NO. 111

फर्द अहकाम (नियम 26)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी रींगस

उनवान सोहनी वगै0 बनाम श्रीमति कंवरी वगै0

किस्म मुकदमा प्रा0 पत्र बाजदायरी मु.न 11 /2025

हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अह काम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुये
.3.2025	प्रार्थीगण की ओर से वकील श्री नवीन चौधरी हाजिर। प्रतिवादी सं0–1 ता 6 की ओर से वकील श्री राजेश थेबड़ हाजिर। प्रार्थना पत्र बाजदायरी का वकील अप्रार्थी अप्रार्थीगण द्वारा जबाब नही दिया जाकर सीधी ही बहस हेतु निवेदन किया गया। बहस उभय पक्ष सुनी गई। वकील प्रार्थी ने निवेदन किया कि प्रकरण कें मूल वाद मु0स0 245/2023 उनवानी सोहनी देवी वगै0 बनाम श्रीमति कंवरीदेवी देवी वगै0 में दिनांक 28.11.2019 को जबाब प्रस्तुत करनें हेतु अन्तिम अवसर दिया गया था। बावजूद अन्तिम अवसर जबाब दावा प्रस्तुत नही किया गया। प्रार्थीगण अपने अधिवक्ता के भरोसे थे प्रार्थीगण अधिवक्ता आश्वासन देते रहे कि आपको हर तारीख पेशी पर आने की कोई आवश्यकता नही है। आवश्यकता होनें पर बुला लिया जावेगा। प्रार्थीगण अधिवक्ता अपनी पैरवी में व्यस्त होने के कारण उपस्थित नही होनें के कारण न्यायालय हाजा ने दिनांक 18.06.2025 को वाद मु0स0 245/2023 उनवानी सोहनी देवी वगै0 बनाम श्रीमति कंवरीदेवी देवी वगै0 को अदम पैरवी अदम हाजरी में खारीज फरमा दिया। जिससे प्रार्थीगण/ वादीगण को सख्त हकतलफी है। मामला प्रार्थीगण की अचल सम्पति का है। अतः न्यायहित मे प्रार्थना पत्र बाजदायरी स्वीकार कर किया जावे व वाद मु0स0 245/2023 उनवानी सोहनी देवी वगै0 बनाम श्रीमति कंवरीदेवी देवी वगै0 को पुनः नम्बर पर लिया जाने का आदेश फरमाया जावे। जबाब में वकील अप्रार्थीगण द्वारा घोर आपत्ती प्रकट करते हुए प्रार्थना पत्र को खारीज फरमानें का निवेदन किया। हमने बहस उभय पक्षकारान अधिवक्तागण सुनी व बहस पर मनन किया। मामला अचल सम्पत्ति का होकर आवश्यक प्रकृति का है अतः न्यायहित में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र बाजदायरी स्वीकार योग्य पाये जाने पर स्वीकार किया जाता है तथा वाद मु0स0 245/2023 उनवानी सोहनी देवी वगै0 बनाम श्रीमति कंवरीदेवी देवी वगै0 243/2023 को पुनः नम्बर पर लिया जाने का आदेश दिया जाता है। दावा पुनः दर्ज रजिस्टर किया जावे। प्रा0 पत्र बाजदायरी फैशल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा मूल वादपत्र के साथ हमफिता हों। उपखण्ड अधिकारी रींगस (सीकर)	

Signature Not Verified

Digitally signed by Brejesh Kumar
Date: 2025.08.26 11:31:07 IST
Reason: SelfAttested